c. सम् *id.* Br. 3.15.: त्यक्तव्याम् मास्म सन्त्यज·

त्यत् (ut mihi videtur, e stirpe demonstrat. त, abjecto अ, et relat. य, *Nom.m.* स्यः, स्य, *f.* स्या, *n.* त्यत्) is, hic, ille, *in dial. Vêd.* (Huc trahimus germ. vet. *dër* e *diar*, f. *diu*, acc. *dia* = त्याम्, N. pl. m. *die* = त्ये, f. *dio* = त्यास्, n. *diu* = त्यानि, v. gr. comp. 355.356.; ad स्या pertinet germ. vet. *siu*, acc. *sia*; de nostro *dieser* (*dieser*) v. gr. comp. 357.; de lith. et slav. *szis, sj* hic = स्यः, *szi, si* haec = स्या v. gr. comp. 358.)

त्याग *m.* (r. त्यज् s. अ) 1) relictio, renuntiatio. Br. 1.33. Bh. 12.11. 18.1.2.4. 2) actio dandi, donandi, largiendi. Ragh. 1.7.22. Hit. 34.14.

त्यागिता *f.* (a sq. s. ता) munificentia. Hit. 24.21.

त्यागिन् (a त्याग s. इन्) munificus.

त्रंस् 1. et 10. *P.* (भाषार्थे *K.* भासि *V.*) loqui; lucere.

त्राख् 1. *P.* ire; *v. sq.*

त्रङ्क् 1. *A.* (गतौ; scribitur त्रक्, gr. 110[a].) ire; *cf.* तङ्क्, तिक्, तीक्, त्रीक्, त्रङ्ख्, त्रिङ्ख्, त्रङ्ग्.

त्रङ्ख् 1. *P.* (scribitur त्रख्, gr. 110[a].) *id.*

त्रङ्ग् 1. *P.* (scribitur त्रग्) *id.* (Hib. *tairgim* «I escape, get away»; *tairgeadh* «a going, passing».)

त्रन्द् 1. *P.* (scribitur त्रद्, gr. 110[a].) *i.q.* तुन्द्, *quod e* त्रन्द् *ortum esse videtur ejecto* र् *et attenuato* अ *in* उ.

त्रप् 1. *A.* pudere, *praesertim c. praef.* अप. (Fortasse primitive convertere, converti; cf. gr. τρέπω, ἐντρέπω pudore afficio; lith. *trópiju* ico; slav. *trepet* tremor; lat. *trepido*.)

c. अप *i.q. simpl.* Mah. 3.110.: येना 'पत्रपते साधुर् असाधुस् तेन तुष्यति; 5.262.: क्रूरेण ना 'पत्रपसे कथं शक्रे 'ह कर्मणा· (Cf. gr. ἀποτρέπω.)

c. अप praef. वि *id.* Mah. 2.1433.: विभीषकाभिर् बह्वीभिर् भीषयन् सर्वपार्थिवान् न व्यपत्रपसे कस्मात्; R. Schl. II. 37.10.: सा व्यपत्रपमाने 'व· — *Pâr. ibd.* II. 57.28.: अग्रे 'मम् अनयङ् कृत्वा व्यपत्रपसि राघव; *c. gen.* Mah. 1.4585.: व्यपत्रपन् मनुष्याणाम्·

त्रप *m.* (r. त्रप् s. अ) pudor. Am.

त्रपु *n.* stannum. Hit. 55.21. R. Schl. I. 38.20.

त्रय *n.* (a त्रि s. अ, ut द्वय par, a द्वि) trium numerus, trinitas, τριάς. Bh. 11.20.43.

त्रयी *f.* (a praec. signo *fem.* ई) tres *Vêdi*, (*Ric*, *Yag'us* et *Sâman*). Bh. 9.21.

त्रयोदश (*f.* ई, gr. 259.) decimus tertius.

त्रयोदशन् (*Comp. anom. pro* त्रिदशन्; e त्रयस्, *Nom. pl. m.* τοῦ त्रि, et दशन्, v. gr. 254.) tredecim. (Lat. *tredecim*, lith. *trylika* e *trydika*, v. gr. comp. 319. annot.)

त्रस् 1. et 4. *P.* 1) tremere; *praesertim timore.* Mah. 3.3080.: भयात् त्रस्यसि; Dev. 9.21.: तैः शब्दैर् असुरास् त्रेसुः· — त्रस्त tremens. Mah. 3.841.: गन्धर्वाणाम् भयत्रस्ताः· 2) timere *c. ablat. vel gen.* Bhatt. 15.58.: राक्षसस्य ना 'त्रासीत्· — *Caus.* terrere. A. 9.22.: त्रासयन् रथघोषेण निवातकवचस्त्रियः; *ibd.* 24.; Dr. 5.10. (Russ. *trjasu* quasso, agito = Caus. त्रासयामि, *trjasu-sj* tremo; lett. *trîfseht* tremere; gr. τρέ(σ)ω, τρέ-μω; lat. *tris-tis* = त्रस्त, *tre-mo, terreo* ex *terseo* pro *treseo* = *Caus.* त्रासयामि, v. gr. comp. 109[a]. 6.; hib. *tor* «fear, dread».)

c. वि *i. q. simpl.* R. Schl. II. 103.41.: वराहमृगाश्च ... वित्रेसुः; A. 6.13.: वित्रेसुश्च विलिल्युश्च भूतानि· वित्रस्त perterritus. H. 3.3. Su. 1.14. — *Caus.* terrere. Man. 7.196.: वित्रासयेत्; N. 16.15.: वित्रासितविहङ्गम·

c. सम् *id.* सन्त्रस्त perterritus. N. 11.1.13.19. A. 8.16.

त्रस (r. त्रस् s. अ) mobilis. M. 29.

त्रा 2. *P.* (in imperat. supponitur radici त्रै, a qua त्रा in formis generalibus distingui nequit; a grammaticis त्रा in radices non receptum est) servare, liberare. Br. 3.3.: त्राहि सर्वम् मये 'कया; Su. 1.15.: त्राही 'ति प्रचुक्रुशुः; Mah. 3.15931.: ततो नस् त्रातु भगवान्· (*V.* त्रै.)

1. त्राण v. त्रै.

2. त्राण *n.* (r. त्रै s. अन) 1) servatio, tutela. Dev. 11.47.; Ragh. 15.3. 2) lorica. A. 6.14. (cf. तनुत्राण); शिरस्त्राण galea. Ragh. 4.64. (Hib. *troiath* «a helmet».)